

Sl.No. :

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions – 6

No. of Printed Pages – 7

SS-26-Raj.Sah.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

परीक्षार्थियों सारू सामान्य निर्देश :

- 1) सबसूँ पैली आपरै प्रश्न-पत्र माथै नामांक लिखों ।
- 2) सगळा सवाल करना जरूरी है ।
- 3) हरेक सवाल रौ पङ्क्ति उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।
- 4) अेक सूँ अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।
- 5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।
- 6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पङ्क्ति देवौ ।
- 7) पङ्क्ति राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

[15]

[1]

ब) धारा

द) उज्जैण

[1]

ब) पृथ्वीराज राठौड़

द) शिवदास गाडण

[1]

ब) हाथी नै

द) सिंह नै

[1]

ब) बिडदावली

द) साखियौ

[1]

ब) भक्तिकाल

द) आधुनिक काल

[1]

ब) लिखमी देसर

द) कतरियासर

- vii) 'सपनौ आयौ' कविता किण कवि री रचना है? [1]
 अ) शंकरदान सामौर ब) गिरधारी सिंह पड़िहार
 स) हीरालाल शास्त्री द) अस्त अली खां
- viii) सुमनेश जोशी कठै रा रैवासी हा? [1]
 अ) उदयपुर ब) अजमेर
 स) जोधपुर द) बीकानेर
- ix) कवि रै मुज्जब लिछमी किणरौ हियौ रीझावै? [1]
 अ) किसानां रौ ब) मजूरां रौ
 स) धनिका रौ द) राजावां रौ
- x) 'काजली तीज' किण रस री रचना है? [1]
 अ) वीर-रस ब) हास्य-रस
 स) सिणगार-रस द) भक्ति-रस
- xi) मेड़ता परगनौ किण रियासत में हौ? [1]
 अ) मेवाड़ ब) मारवाड़
 स) दूढ़ाड़ द) शेखावाटी
- xii) 'अलेखूं हिटलर' कहाणी रा रचनाकार कुण है? [1]
 अ) विजय दान देथा ब) बैजदान पंवार
 स) नृसिंह राजपुरोहित द) अन्नाराम सुदामा

xiii) प्रबंध काव्य रा कितरा भेद करिजिया है - [1]

- | | |
|--------|---------|
| अ) दो | ब) चार |
| स) तीन | द) पांच |

xiv) 'हरिस्' मूल रूप सूं किण भांत रौ काव्य है? [1]

- | | |
|----------------|-----------------|
| अ) भक्ति काव्य | ब) सिणगार काव्य |
| स) वीर काव्य | द) नीति काव्य |

xv) जयाचार्य किण पंथ रा आचार्य हा? [1]

- | | |
|--------------|----------------|
| अ) तेरा पंथ | ब) दाइ पंथ |
| स) गूदड़ पंथ | द) लालदासी पंथ |

प्र.2) खाली जाग्यां नै भरतां थकां पडूत्तर उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ - [7]

i) 'गाय कठै बांधूं' कहाणी शैली में लिखियोड़ी है। [1]

ii) 'धरती धोरा री' कविता रा रचनाकार है। [1]

iii) 'ओळबौ' कविता में कवि नै ओळबौ दियौ है। [1]

iv) "हाला झाला रा कुण्डळिया" ईसरदास जी रस री रचना है। [1]

v) आज रो सरवण लघुकथा री लेखिका है। [1]

vi) आधुनिक काल रा सगळा सूं पैलड़ा कवि मानीजै। [1]

vii) कनक सुन्दर शिवचन्द भरतिया रचित है। [1]

- प्र.3) सवालां रा पङ्क्तर अक ओळी मांय लिखौ – [10]
- बोवै पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते होय।' ओळी रौ भाव लिखौ । [1]
 - गाय रै टळयां पछै दूध री पाछी कांई व्यवस्था करी? [1]
 - 'टूटी ओदणिये' कविता मांय टूटी अदावण किण-रौ प्रतीक है। [1]
 - कुण्डलियों किण भांत रौ छंद है। [1]
 - 'माटी री मनस्या' लघुकथा री मूल संवेदना कांई है? [1]
 - रेखाचितराम 'चामल रा घाट' रा रचनाकार कुण है। [1]
 - अधिकांश विद्वान राजस्थानी भाषा री उत्पत्ति किण अपभ्रंश सूं मानै? [1]
 - छंद रा कितरा भेद मानीजै? [1]
 - राजस्थानी रौ मौलिक अलंकार कुणसो है? [1]
 - काव्य रा दो पख कुणसा मानीजै? [1]

खण्ड – ब

- प्र.4) नीचे लिख्योड़ा सवालां रा पङ्क्तर लगै-टगै 30 सबदां मांय लिखौ – [24]
- हर्ष जीण री लोकगाथा सूं मिलण वाळी सीख नै आपरा सबदां मांय लिखौ । [2]
 - 'ईमानदान व्यौहार सफलता रौ द्वार' सिद्ध करौ। [2]
 - रणमल्ल छंद री काव्यगत विसेसतांवा नै आपरै सबदां मांय उदाहरण देय'र लिखौ। [2]
 - माखणी रै विरह भाव नै उजागर करौ । [2]
 - 'आसोज रै महिनै नुंवापणौ अर उल्लास लावै।' इण कथन नै समझावौ । [2]

- vi) 'पर सुख देख दुःख नही मान्यो, पर धन खोस न खायो।' इण ओळी रौ भाव लिखौ। [2]
- vii) "भाईडां, जमानौ बदलियौ पण बदलियौ। इण ओळी रौ भाव उजागर करौ। [2]
- viii) 'हूं बळिहारी सज्जणां, सज्जणां मों बळिहार' इण ओळी रौ भाव स्पष्ट करौ। [2]
- ix) 'प्रीय बिण जीविजई किसइ अधारी' मूल भाव नै खुलासौ करौ। [2]
- x) 'तमाखू री ताड़ना' में कवि किण भांत तमाखू रै विसन नै बुरौ बतायौ है। [2]
- xi) छंद रा भेदां रौ खुलासौ करौ ! [2]
- xii) निबंध रा मूल तत्वां नै स्पष्ट करौ। [2]

खण्ड – स

प्र.5) नीचे लिखी ओळयां रै भावां रौ खुलासौ सप्रसंग व्याख्या करौ – [12]

- i) छेवट चौधरी रतना राम रौ बेटौ दुनीराम ई आपरी मां' रै केवण सूं कम उपजाऊ अर टीवै वाली जमीन लेवण सांरु राजी होयग्यौ। जमीन कांई बंटी, मन भी बंटग्या। [3]

अथवा

जकी चुंतरी माथै आखै गांव री चौपाळ जुड़या करती, गांव रै विकास री बातां होया करती, अवै बठै पटका-पछाड़ी री योजना बणण लागगी।

- ii) राजस्थानी साहित्य रै वीरगाथा-काल री प्रमुख रचनावां अर खासियतां नै उजागर करौ। [3]

अथवा

आधुनिक राजस्थानी कहाणी री उत्पत्ति अर विकसाव आपरा सबदां मांय करौ।

- iii) सुख-दुख में पाड़ौसी ई आडा आवै, सो वै उभा ही आयग्या । लोक में कैवत है कै जलम तो रात रौ अर मरण परभात रौ । [3]

अथवा

“म्हारी तौ यूं चिंता ई मत कर, थारा फूल चुग्यां बिना म्है कतैई कोनी जाऊं । म्हारी मानै तौ थूं लकड़ी रौ गाडौ आगूंच नखायलै भलाई ।

- iv) आयो अंगरेज मुलक रै उपर, आहस लीघा खैचि डरां ।
धणिया मरै ना दीधी धरती, धणिया ऊभां गई धरा ॥ [3]

अथवा

छत्रपतियां लागी नंह छांणत, गढ़पतिया घर परी गुमी ।
बळ न कियौ बापड़ा बोतां, जोतां जोतां गई जमी ॥

खण्ड – द

[12]

- प्र.6) (अ) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी भासा मांय निबंध लिखौ – [4]

- i) म्हारौ प्रिय साहित्यकार
- ii) राजस्थानी काव्य मांय प्रेमाख्यान
- iii) बालिका शिक्षा – बंधता पावंडा
- iv) देस निरमाण मांय मोट्यारा री भूमिका

- (ब) काव्य रौ अरथ बतावंता थकां काव्य रा भेदां नै स्पष्ट करौ । [4]

अथवा

उपमा अलंकार रौ अरथ बतावंता थंका इणां रै भेदां रौ खलासौ करौ ।

- (स) आधुनिक साहित्य मांय हकीकत बयान करणै री प्रवृत्ति किण भांत बध रैयी है? [4]

अथवा

“साहित्य रौ मकसद कांई” होवै खुलासौ करौ।

❧❧❧

DO NOT WRITE ANYTHING HERE